PAPER - I

FUNDAMENTAL HINDI

स्वर
VOWELS

अ आ इ ई उ ऊ ऋ

ए ऐ ओ औ अं अः

व्यंजन
CONSONANTS

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

श ष स ह

क्ष त्र ज्ञ

2

FUNCTIONAL HINDI

लिंग-परिवर्तन
CHANGE OF GENDER

Masculine		*Feminine*	*Masculine*		*Feminine*
कुत्ता	—	कुतिया	ऊँट	—	ऊँटनी
घंटा	—	घंटी	हाथी	—	हथिनी
बच्चा	—	बच्ची	मोर	—	मोरनी
घोड़ा	—	घोड़ी	सिंह	—	सिंहनी
डिब्बा	—	डिबिया	शेर	—	शेरनी
चूहा	—	चुहिया	हंस	—	हंसनी
बकरा	—	बकरी	हिन्दू	—	हिन्दुआनी
गधा	—	गधी	मुसलमान	—	मुसलमानी
रस्सा	—	रस्सी	भील	—	भीलनी
बिलाव	—	बिल्ली	सेठ	—	सेठानी
मामा	—	मामी	देवर	—	देवरानी
चाचा	—	चाची	नौकर	—	नौकरानी
बूढ़ा	—	बूढ़ी	विद्यार्थी	—	विद्यार्थिनी
दादा	—	दादी	स्वामी	—	स्वामिनी
नाना	—	नानी	उस्ताद	—	उस्तादनी
हिरन	—	हिरनी	गुरु	—	गुरुआइन
मेंढक	—	मेंढकी	क्षत्रिय	—	क्षत्राणी
कबूतर	—	कबूतरनी	लोहार	—	लुहारिन
तेली	—	तेलिन	बालक	—	बालिका
धोबी	—	धोबिन	बादशाह	—	बेगम
नाई	—	नाईन	सम्राट	—	सम्राज्ञी
माली	—	मालिन	पुरुष	—	स्त्री
मालिक	—	मालकिन	मर्द, आदमी	—	औरत
साँप	—	साँपिन	विधुर	—	विधवा
बाघ	—	बाघिन	साहिब	—	मेम, साहिबा

Masculine		*Feminine*	*Masculine*		*Feminine*
गड़ेरिया	—	गड़ेरिन	श्रीमान	—	श्रीमती
ग्वाला	—	ग्वालिन	ब्राह्मण	—	ब्राह्मणी
पण्डित	—	पण्डिताइन	विद्वान्	—	विदुषी
बाबू	—	बबुआइन	अध्यापक	—	अध्यापिका
डाकू	—	डाकिन	नर	—	मादा, नरी
जुलाहा	—	जुलाहिन	दास	—	दासी
भाई	—	बहन	देव	—	देवी
भेड़ा	—	भेड़	कुमार	—	कुमारी
भैंसा	—	भैंस	महाशय	—	महाशया
राजा	—	रानी	बैल	—	गाय
पिता	—	माता	वर	—	वधू
बाप	—	माँ	पुत्र	—	पुत्री
पति	—	पत्नी	बन्दर	—	बन्दरिया
मियाँ	—	बीबी	सुत	—	सुता

✣

वचन बदलना
CHANGING THE NUMBERS

Masculine Words

The nouns ending in 'आ'

Singular	—	*Plural*	*Singular*	—	*Plural*
एकवचन	—	बहुवचन	एकवचन	—	बहुवचन
I			II		
लड़का	—	लड़के	पिता	—	पिता
कपड़ा	—	कपड़े	राजा	—	राजा
घोड़ा	—	घोड़े	दादा	—	दादा
बच्चा	—	बच्चे	मामा	—	मामा
कमरा	—	कमरे	नेता	—	नेता

Other Words

III

बालक	—	बालक
भाई	—	भाई
मुनि	—	मुनि
घर	—	घर
डाकू	—	डाकू

Feminine Words

The nouns ending in 'अ'

बहन	—	बहनें
गाय	—	गायें
औरत	—	औरतें
किताब	—	किताबें
दीवार	—	दीवारें

The nouns ending in 'ई'

लड़की	—	लड़कियाँ
जाति	—	जातियाँ
स्त्री	—	स्त्रियाँ
गाड़ी	—	गाड़ियाँ
खिड़की	—	खिड़कियाँ

The nouns ending in 'या'

बुढ़िया	—	बुढ़ियाँ
चिड़िया	—	चिड़ियाँ

Other Words

लता	—	लताएँ
माला	—	मालाएँ
कथा	—	कथाएँ
वस्तु	—	वस्तुएँ
वधू	—	वधुएँ
बहू	—	वहुएँ

गिनती (NUMERALS)

एक	1	सत्ताइस	27	तिरपन	53
दो	2	अट्ठाइस	28	चौवन	54
तीन	3	उनतीस	29	पचपन	55
चार	4	तीस	30	छप्पन	56
पाँच	5	इकतीस	31	सत्तावन	57
छः	6	बत्तीस	32	अट्ठावन	58
सात	7	तैंतीस	33	उनसठ	59
आठ	8	चौंतीस	34	साठ	60
नौ	9	पैंतीस	35	इकसठ	61
दस	10	छत्तीस	36	बासठ	62
ग्यारह	11	सैंतीस	37	तिरसठ	63
बारह	12	अड़तीस	38	चौंसठ	64
तेरह	13	उनचालीस	39	पैंसठ	65
चौदह	14	चालीस	40	छियासठ	66
पन्द्रह	15	इकतालीस	41	सडसठ	67
सोलह	16	बयालीस	42	अडसठ	68
सत्रह	17	तैंतालीस	43	उनहत्तर	69
अठारह	18	चवालीस	44	सत्तर	70
उन्नीस	19	पैंतालीस	45	इकहत्तर	71
बीस	20	छियालीस	46	बहत्तर	72
इक्कीस	21	सैंतालीस	47	तिहत्तर	73
बाईस	22	अड़तालीस	48	चौहत्तर	74
तेईस	23	उनचास	49	पचहत्तर	75
चौबीस	24	पचास	50	छिहत्तर	76
पच्चीस	25	इक्कावन	51	सतहत्तर	77
छब्बीस	26	बावन	52	अठहत्तर	78

उन्नासी	79	सत्तासी	87	पंचानबे	95
अस्सी	80	अट्ठासी	88	छियानबे	96
इक्कासी	81	नवासी	89	सत्तानबे	97
बयासी	82	नब्बे	90	अट्ठानबे	98
तिरासी	83	इकानबे	91	निन्यानबे	99
चौरासी	84	बानबे	92	एक सौ	100
पचासी	85	तिरानबे	93	हजार	1,000
छियासी	86	चौरानबे	94	लाख	1,00,000

करोड़ 1,00,000,00

पाव	¼	ढाई, अढ़ाई	2½
सवा	1¼	साढ़े तीन	3½
सवा दो	2¼	पौन	¾
सवा तीन	3¼	पौने दो	1¾
आधा	½	पौने पाँच	4¾
डेढ़	1½		

महीने (MONTHS)

चैत्र	जनवरी	आश्विन	जुलाई
वैशाख	फरवरी	कार्तिक	अगस्त
ज्येष्ठ	मार्च	मार्गशीर्ष	सितम्बर
आषाढ़	अप्रैल	पौष	अक्टूबर
श्रावण	मई	माघ	नवम्बर
भाद्रपद	जून	फाल्गुन	दिसम्बर

मौसम (SEASON)

वसन्त	Spring	ग्रीष्म	Summer
वर्षा	Rain	शरद	Winter
हेमन्त	Frost	शिशिर	Autumn

दिशाएँ (DIRECTIONS)

पूरब	East	पश्चिम	West
उत्तर	North	दक्षिण	South

शरीर के अंग (PARTS OF THE BODY)

Arm	बाँह	knees	घुटने
arms	बाँहें	leg	टाँग
back	पीठ	legs	टाँगें
blood	खून, रक्त	face	चेहरा, मुख
body	शरीर	finger	उँगली
bone	हड्डी	fingers	उँगलियाँ
bones	हड्डियाँ	flesh	मांस
brain	बुद्धि, दिमाग	foot	पैर
cheek	गाल	feet	पैरों
cheeks	गालें	hair	बाल
chest	छाती	hairs	बालों
ear	कान	hand	हाथ
eye	आँख	hands	हाथों
eyes	आँखें	neck	गर्दन
eye-brow	भौंह	nose	नाक
eye-brows	भौंहें	shoulder	कंधा
head	सिर	skin	चर्म, खाल,
heads	सिरों		चमड़ा
heart	दिल, हृदय	thigh	जाँघ
hearts	दिल, हृदय	thighs	जाँघें
knee	घुटना	throat	गला, कंठ

lip	होंठ
lips	होंठों
lung	फेफड़ा
lungs	फेफड़े
mind	मन
minds	मन
mustache	मूँछ
mouth	मुँह
mouths	मुँह
thumb	अँगूठा
tongue	जीभ, जबान
tooth	दाँत
teeth	दाँतें
waist	कमर
wrist	कलाई
wrists	कलाइयाँ

✣

रिश्तेदार (RELATIONS)

Aunt— बुआ, फूफी (Father's sister)
मौसी (Mother's sister)
मामी (Mother's brother's wife)
चाची (Father's brother's wife)
ताई (Father's elder brother's wife)

Brother— भाई

Brother-in-law— साला (Wife's brother)
बहनोई (Sister's husband)

Brother's daughter— भतीजी

Brother's son— भतीजा

Brother's wife— भाभी

Cousin brother— चचेरा भाई (Father's brother's son)
फुफेरा भाई (Father's sister's son)
मौसेरा भाई (Mother's sister's son)
ममेरा भाई (Mother's brother's son)

Cousin sister— चचेरी बहन (Father's brother's daughter)
फुफेरी बहन (Father's sister's daughter)
मौसेरी बहन (Mother's sister's daughter)
ममेरी बहन (Mother's brother's daughter)

Daughter— बेटी, लड़की

Daughter-in-law— बहू

Father— पिता, बाप

Father-in-law— ससुर

Grand father— दादा (Father's father)
नाना (Mother's father)

Grand mother— नानी (Mother's mother)
दादी (Father's mother)

Grand daughter— नतिनी, नातिन (Daughter's daughter)
पोती (Son's daughter)

Grand son— नाती (Daughter's son)
पोता (Son's son

Husband— पति

Husband's elder brother— जेठ

Husband's elder brother's wife— जेठानी

Husband's sister— ननद

Husband's younger brother— देवर

Husband's younger brother's wife— देवरानी

Mother— माँ, माता

Mother-in-law— सास

Nephew— भतीजा (Brother's son)
भानजा (Sister's son)

Niece— भतीजी (Brother's daughter)
भानजी (Sister's daughter)

Sister— बहन

Elder sister— दीदी, जीजी

Son— पुत्र, लड़का, बेटा

Son-in-law— दामाद, जमाई

Step mother— सौतेली माँ

Uncle—	चाचा (Father's brother)
	ताऊ (Father's elder brother)
	मामा (Mother's brother)
	मौसा (Mother's sister's husband)
	फूफा (Father's sister's husband)
Widow—	विधवा
Wife—	स्त्री, पत्नी, जोरू
Wife's sister—	साली
Woman—	औरत, स्त्री

✣

तरकारी, फल, फूल और मेवे
VEGETABLES, FRUITS, FLOWERS AND CONDIMENTS

apple	सेब	coffee	कॉफी
betel-nut	सुपारी	coriander	धनियाँ
asafoetida	हींग	cotton	रूई, कपास
banana	केला	cucumber	खीरा, ककड़ी
barley	जौ	cummin	जीरा
beans	सेम	date	खजूर
beet-root	चुकन्दर	dried fruit	मेवा
betel leaf	पान	fig	अंजीर
brinjal	बैंगन	garlic	लहसुन
cabbage	पत्तागोभी	ginger	अदरक
	बंदगोभी	ginger dried	सोंठ
cardamon	इलायची	grain	अनाज
carrot	गाजर	gram-bengal	चना
cashewnut	काजू	gram-black	उड़द
cauliflower	फूलगोभी	gram-green	मूँग
camphor	कपूर	gram horse	कुल्थी
castor	रंडी	grapes	अंगूर
chilly	लाल मिर्च	grass	घास

clove	लौंग	guava	अमरूद
coconut	नारियल	jack fruit	कटहल
jola	ज्वार	jasmine	जूही
jute	पटसन	pumpkin	कुम्हड़ा
lady's finger	भिंडी	radish	लाल मूली
leaf	पत्ता	ragi	मड़आ, रागी
lemon lime	नींबू	rice	चावल
lotus	कमल	root	जड़
maize	मक्का	rose	गुलाब
mango	आम	salt	नमक
melon	खरबूजा	sandal	चन्दन
melon water	तरबूज	seed	बीज
mustard (black)	राई	sesame	तिल
mustard (yellow)	सरसों	snake-gourd	चचींड़ा
oil	तेल	spinach	पालक
olive	जैतून	sugar-cane	गन्ना, ईख
onion	प्याज	sweet potato	शकरकन्द
opium	अफीम	Tamarind	इमली
orange	नारंगी	tea	चाय
paddy	धान	teak	सागौन
palm tree	ताड़	tobacco	तम्बाकू
pea	मटर	tomato	टमाटर
pear	नाशपाती	tree	पेड़
pepper	काली मिर्च	trunk	तना
pine apple	अनन्नास	turmeric	हल्दी
plantain	केला	turnip	शलज
plum	बेर	vegetable	तरक
pomegranate	अनार	walnut	अख
potato	आलू	wheat	गेहूँ
pulse	दाल		

✣

कौन-क्या

तुम कौन हो ?	मैं राम हूँ।
यह कौन है ?	यह कमला है।
वह कौन है ?	वह मजदूर है।
यह क्या है ?	यह कलम है।
वह क्या है ?	वह दफ्तर है।
क्या यह कलम है ?	हाँ, यह कलम है।
क्या वह स्कूल है ?	नहीं, वह स्कूल नहीं है।
आप कौन हैं ?	मैं ऑफिसर हूँ।
आप कौन हैं ?	हम लोग किसान हैं।
ये क्या हैं ?	ये फल हैं।
वे क्या हैं ?	वे घर हैं।
क्या वे राजन हैं ?	हाँ, वे राजन हैं।
क्या ये सीता हैं ?	नहीं, ये सीता नहीं हैं।

GRAMMAR

मैं..........................हूँ।	हम..........................हैं।
तुम..........................हो।	आप..........................हैं।
यह/वह....................है।	ये/वे..........................हैं।

✣

वर्ग में अध्यापक—घर में मामाजी

रमेश, तुम आओ। तुम अन्दर आओ। तुम बेंच पर बैठो।

रमा, तुम भी आओ। तुम भी बेंच पर बैठो।

शिवा, तुम हिन्दी पाठ पढ़ो। उमा, तुम तमिल पाठ पढ़ो।

जान, तुम अंग्रेजी सबक कल लिखो। रोसी, तुम पुस्तक लो।

मिरजा, तुम यह कलम मत लो। रजिया, तुम कागज दो।

शेखर, तुम पानी पिओ। रानी, तुम चाय मत पिओ।

राघव	:	नमस्ते मामाजी, आइये।	आप कुर्सी पर बैठिये।
मामा	:	तुम भी कुर्सी पर बैठो।	तुम जमीन पर मत बैठो।
राघव	:	आप मिठाई लीजिए।	आप कॉफी पीजिए।
मामा	:	तुम एक काम करो।	अखबार यहाँ लाओ।
राघव	:	आप एक काम कीजिए।	कल एक भाषण दीजिए
मामा	:	तुम खाना खाओ और बाहर चलो।	

GRAMMAR : IMPERATIVE MOOD

	Exceptions
आ + ओ = आओ	कर - करो - कीजिए
पढ़ + ओ = पढ़ो	दे - दो - दीजिए
आ + इये = आइये	ले - लो - लीजिए
पढ़ + इये = पढ़िये	पी- पिओ - पीजिए

✣

मार्केट में राम

राम : राजू, गाड़ी से उतरो। यही बाजार है।

राजू : पिताजी, वह कौन है ?

राम : वह दुकानदार है।

राजू : वह क्या करता है ?

राम : वह तरकारी बेच रहा है।

राजू : वहाँ तो बहुत भीड़ है।

राम : हाँ! वहाँ लोग तरकारी-सब्जी खरीद रहे हैं।
दुकानदार तराजू में तरकारी तोल रहा है।
कुछ लोग मोल-भाव करते हैं। पुरुष तरकारी खरीदते हैं
खरीद रही हैं।

दुकान में

गणेश (मालिक) : आइये राम! आजकल आप यहाँ नहीं आते।

राम : भाई! आजकल बैंक में काम अधिक है। तुम कैसे हो?

गणेश : मैं कुशल हूँ।

राम : तुम कहाँ रहते हो?

गणेश : मैं आजकल आर्के-टाउन में रहता हूँ।

राम : क्या तुम दोपहर घर जाते हो?

गणेश : हाँ, मैं दोपहर घर जाता हूँ।

राम : अरे शीला! तुम यहाँ क्या कर रही हो?

शीला : जी, मैं यहाँ काम करती हूँ।

राम : क्या तुम अब भी कालेज में पढ़ती हो?

शीला : जी हाँ, मैं खानगी तौर पर पढ़ रही हूँ।

गणेश : यह कपड़ा देखिये। यह टिकाऊ है। यह सस्ता भी है। गर्मी में अच्छा लगता है।

राम : क्या सूती कपड़ा है?

गणेश : जी हाँ, आप भाभी के लिये ये रेशमी साड़ियाँ लीजिये।

राम : यह बहुत महँगा है।

गणेश : ये ऊनी कपड़े लीजिये। जाड़ों में यह मिलता है।

राम : अच्छा, मैं सूती कपड़े लेता हूँ।

राजू : पिताजी! यहाँ लोग क्या करते हैं?

राम : यहाँ लोग पैसे चुकाते हैं।

गणेश : आप बार-बार आइये। नमस्ते।

राम : नमस्ते।

व्याकरण	*Masculine*	*Feminine*
	मैं पढ़ता हूँ।	मैं पढ़ती हूँ।
	तुम पढ़ते हो।	तुम पढ़ती हो।
	यह/वह पढ़ता है।	यह/वह पढ़ती है।
	हम, आप, ये/वे } पढ़ते हैं।	हम, आप, ये/वे } पढ़ती हैं।

Note :

1. When the subject is masculine (singular & plural) or feminine (singular only) and when the negative is expressed by adding 'नहीं' before the verb, then the auxiliary verbs are generally dropped.

   मैं नहीं खाता। तुम नहीं खाते। राम नहीं खाता। वे नहीं खाते। मैं नहीं खाती। तुम नहीं खाती। शीला नहीं खाती।

2. When the subject is feminine plural and when the negative is expressed instead of ती, तीं should be used.

   लड़कियाँ शहर नहीं जातीं।

   In Hindi second person 'आप' is used for third person singular to show respect. The third person ये, वे is used for third person singular to show respect.

विधिक्रियाँ

तुम नौकर को बुलाओ।	तुम बच्चे को देखो।
आप कुली का पैसा दीजिए।	युवकों को रास्ता दिखाइये।
आप घर कैसे जाते हैं?	मैं गाड़ी से जाता हूँ।
गाड़ी कहाँ से निकलती है?	गाड़ी स्टेशन से निकलती है।
लड़का कलम से लिखता है।	राधा चाकू से फल काटती है।
राम भरत से बड़ा है।	उर्मिला सीता से छोटी है।
सुन्दर कृष्ण का बेटा है।	गणेश भी कृष्ण का बेटा है।

सुन्दर और गणेश कृष्ण के बेटे हैं।

राधा शेखर की बेटी है।

राधा और रजनी शेखर की बेटियाँ हैं।

कृष्ण की बहन का नाम सुभद्रा है।

दीदी दफ़्तर में काम करती हैं।

जानवरों पर दया करो।

गोपाल की दो बहनें हैं।

रजनी भी शेखर की बेटी है।

कृष्ण के भाई का नाम बलराम है।

घर में माँ हैं।

दीवार पर तस्वीर है।

GRAMMAR— CASE ENDINGS

ने, को, से—By, with, to

को —*to*

में — *in*

से — From, than

का, के, की —*of*

पर — on

✣

पूछताछ

अस्पताल में

ुंशी : तुम्हारा नाम क्या है?

ुधा : मेरा नाम सुधा है।

ी : तुम्हारे पिताजी का नाम क्या है?

: मेरे पिताजी का नाम रमणन है।

: तुम्हारा पता क्या है?

: मेरा पता है— 15, कामराज सालै, मदुरै -1

: तुम्हारी उम्र क्या है?

: मेरी उम्र 16 वर्ष की है।

: तुम्हारे पिताजी का वेतन कितना है?

: उनका वेतन 200 रुपये हैं।

: अच्छा, यह चिट्ठा लेकर उस पंक्ति में बैठो। डॉक्टर आ रहे हैं।

कार्यालय में

रामू : नमस्ते।

मैनेजर : नमस्ते, बैठिये। आपका नाम क्या है?

रामू : मेरा नाम रामू है।

मैनेजर : आप कहाँ के रहनेवाले हैं?

रामू : मैं पालघाट का रहनेवाला हूँ।

मैनेजर : आपकी योग्यता क्या है?

रामू : मैं बी०कॉम० प्रथम श्रेणी में पास हूँ।

मैनेजर : क्या आप टंकण जानते हैं?

रामू : जी हाँ, मैं टंकण और आशुलिपि जानता हूँ।

मैनेजर : काम का अनुभव है?

रामू : जी, मेरा कोई अनुभव नहीं।

मैनेजर : हम निर्यात करते हैं। निर्यात के बारे में कहिए।

रामू : निर्यात करने से हमारे देश को विदेशी मुद्रा मिलती है।

मैनेजर : सरकार की नीति कैसी है?

रामू : सरकार की नीति अच्छी है। उसका लाभ सब उठाते हैं। निर्यात के
सरकार भी मदद कर रही है।

मैनेजर : अच्छा! आप जा सकते हैं।

रामू : धन्यवाद! नमस्ते।

व्याकरण : *Present Continuous Tense*

Masculine	*Feminine*
मैं आ रहा हूँ।	मैं आ रही हूँ।
तुम आ रहे हो।	तुम आ रही हो।
यह/वह आ रहा है।	यह/वह आ रही है।

5. संज्ञा

I. एक या दो वाक्यों में उत्तर दीजिए :-

1. संज्ञा की परिभाषा दीजिए?

विकारी शब्दों में उन शब्दों को संज्ञा कहते हैं जो किसी व्यक्ति, स्थान या वस्तु के नाम को प्रकट करते हैं।

उदा: पुस्तक, मंदिर।

II. सविस्तार उत्तर दीजिए :-

1. संज्ञा किसे कहते हैं और उसके कितने प्रकार है? समझाइए।

विकारी शब्दों में उन शब्दों को संज्ञा कहते हैं जो किसी व्यक्ति, स्थान या वस्तु के नाम को प्रकट करते हैं। संज्ञा के पाँच प्रकार हैं।

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा**
2. **जातिवाचक संज्ञा**
3. **भाववाचक संज्ञा**
4. **समूहवाचक संज्ञा**
5. **द्रव्यवाचक संज्ञा**

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा : किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे : मोहन, हिमालय, मदुरै, राम, काशी आदि।

2. जातिवाचक संज्ञा : एक ही जाति की समस्त वस्तुओं का बोध करानेवाली संज्ञाओं को जाति वाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे : मोहन, नदी, पुस्तक. लड़का, मेज़, खिड़की आदि।

3. भाववाचक संज्ञा : जिस संज्ञा से किसी गुण, धर्म या भाव का बोध हो उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे : मिठास, वीरता आदि।

4. समूहवाचक संज्ञा : जिस शब्द से अनेक पदार्थों का अथवा समूह का बोध हो, उसे समूहवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे : सेना, झुण्ड आदि।

5. द्रव्यवाचक संज्ञा : जिस शब्द से किसी पदार्थ का बोध हो उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे : सोना, चाँदी आदि।

समूहवाचक और द्रव्यवाचक संज्ञाएँ भी जातिवाचक संज्ञाओं के अन्तर्गत आ सकती हैं। सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, सम्बन्ध बोधक अव्यय, विस्मयादिबोधक, क्रिया ये भी संज्ञा के समान प्रयुक्त होते हैं।

सर्वनाम	–	वह व्यापार में **सब** खो बैठा।
विशेषण	–	**बडों** का आदर करो।
क्रिया विशेषण	–	**यहाँ** की जमीन अच्छी है।
सम्बन्ध बोधक अव्यय	–	**पीछे** का आदमी बोल उठा।

विस्मयादिबोधक – क्या **हाय-हाय** मची है?

क्रिया – **खाना** जीवन केलिए आवश्यक है।

2. भाववाचक संज्ञा की परिभाषा देते हुए सोदाहरण लिखिए कि भाववाचक संज्ञाएँ किन किन शब्दों से बन सकती है?

भाववाचक संज्ञाएँ चार प्रकार के शब्दों से बनती हैं। वे हैं :

1. **जातिवाचक संज्ञा से**
2. **सर्वनाम से**
3. **विशेषण से**
4. **क्रिया से**

1. जातिवाचक संज्ञा से

बच्चा	–	बचपन
दानव	–	दानवता
मानव	–	मानवता
बूदा	–	बुढ़ापा

2. सर्वनाम से

अहं	–	अहंकार

3. विशेषण से

मीठा	–	मिठास
लाल	–	लालिमा

चतुर	–	चतुराई
निडर	–	निडरता
नीच	–	नीचता
सुन्दर	–	सुन्दरता
अच्छा	–	अच्छाई
गहरा	–	गहराई
चौडा	–	चौडाई

4. क्रिया से

सजाना	–	सजावट
चलना	–	चाल
चुनना	–	चुनाव
मारना	–	मार

6. लिंग और वचन

I. एक या दो वाक्यों में उत्तर दीजिए :-

1. लिंग किसे कहते हैं? उसके कितने प्रकार हैं?

शब्द के जिस रूप से हमें यह मालूम होता है कि वह पुरुष जाति को सूचित करता है या स्त्री जाति को, उसे लिंग कहते हैं। हिन्दी में दो लिंग माने जाते हैं – पुल्लिंग और स्त्रीलिंग।

2. वचन किसे कहते हैं? उसके प्रकार क्या-क्या हैं?

संज्ञा और अन्य विकारी शब्दों के जिस रूप से यह मालूम होता है कि वह एक के लिए प्रयुक्त हुआ है या एक से अधिक

केलिए, उसे वचन कहते हैं। हिन्दी में दो प्रकार के वचन होते हैं – एकवचन और बहुवचन

II. सविस्तार उत्तर दीजिए :-

1. लिंग की परिभाषा देते हुए सोदाहरण लिखिए कि लिंग के कितने प्रकार हैं और वे क्या-क्या हैं?

शब्द के जिस रुप से हमें यह मालूम होता है कि वह पुरुष जाति को सूचित करता है या स्त्री जाति को, उसे लिंग कहते हैं। हिन्दी में दो लिंग माने जाते हैं – पुल्लिंग और स्त्रीलिंग।

पुरुष जाति का बोध करानेवाले शब्द पुल्लिंग है और स्त्री जाति का बोध करानेवाले शब्द स्त्रीलिंग है।

क्रिया, विशेषण, संबन्धकारक के विभक्ति चिह्न (का, के, की) आदि से भी हम लिंग को पहचान सकते हैं।

लड़का, आदमी – पुल्लिंग

लड़की, औरत – स्त्रीलिंग

2. हिन्दी शब्दों के लिंग की पहचान किन-किन शब्दों से हो सकती हैं? उदाहरण देकर समझाइए।

(i) लिंग निर्णय कुछ सामान्य नियम प्राणिवाचक शब्दों का लिंग अर्थ से स्पष्ट हो जाता है।

पिता – पुल्लिंग

गाय – स्त्रीलिंग

(ii) कुछ अप्राणिवाचक शब्दों का लिंग उनके रुप से मालूम होता है। प्राय: आकारान्त संज्ञाएँ पुल्लिंग हैं और ईकारान्त संज्ञाएँ स्त्री लिंग हैं।

कमरा – पुल्लिंग

घड़ी – स्त्रीलिंग

(iii) कुछ शब्दों का लिंग कल्पना के द्वारा नियत किया जाता है।

मोटी – पुल्लिंग

बेढंगी वस्तुओं के नाम पुल्लिंग और कोमल, सुंदर वस्तुओं के नाम स्त्रीलिंग है।

पहाड़, पेड़ – पुल्लिंग

लता – स्त्रीलिंग

(iv) कुछ शब्दों का लिंग अध्ययन तथा प्रयोग से याद में रहना है।

आलू, मार्ग, कान – पुल्लिंग

सड़क, आंख, नाक – स्त्रीलिंग

पुल्लिंग

1. जिन शब्दों से पुरुष जाति का बोध हो उसे पुल्लिंग कहते हैं।

   राजा, बेटा, पति, भाई आदि

2. साधारणत: अकारान्त और आकारान्त संज्ञाएँ

   घर, पेड, कपडा, पैसा आदि

अपवाद : सडक, ढाल, हवा, दवा आदि

3. सभी क्रियार्थक संज्ञाएँ

आना, पढ़ना, लिखना बैठना आदि

4. धातुओं और रत्नों के नाम

सोना, तांबा, पीतल, लोहा, सीसा, कांसा आदि

5. ग्रहों के नाम

सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, राहु, केतु आदि

अपवाद : पृथ्वी

6. आव, पन, पा, त्व, या, न में अंत होनेवाली भाववाचक संज्ञाएँ

उदा : चढाव, बहाव, चुनाव, बचपन, लड़कपन, बुढापा, मनुष्यत्व, लगान, खानपान आदि

7. पेड़, अनाज और द्रव पदार्थ

उदा : आम, पीपल, चावल, गेहूँ, तेल, घी, शरबत, पानी आदि

अपवाद : इमली, मकई, छाछ।

8. मासों और वारों के नाम :

चैत्र, वैशाख, रविवार, सोमवार आदि

स्त्रीलिंग

1. जिन शब्दों से मादा या स्त्री का बोध हो उसे स्त्रीलिंग कहते हैं।

उदा : माँ, राणी, पत्नी, घोड़ी, शेरनी आदि।

2. प्राय : इकारान्त और ईकारान्त संज्ञायें

उदा : रुचि, अग्नि, घड़ी, नदी

अपवाद : पानी, दही, घी, मोती

3. जिन भाववाचक संज्ञाओं के अंत में

'ई', 'ता', 'वट', 'हट'

उदा : बडाई, चढाई, मित्रता, लघुता, बनावट, सजावट, घबराहट, चिकनाहट

4. नदियों और भाषाओं के नाम :

उदा : गगा, कावेरी, हिन्दी, तमिल

अपवाद : सिन्धु, ब्रह्मपुत्र

5. ऊनवाचक संज्ञाए जिनके अन्त में 'इया' हो।

उदा : खटिया, डिबिया, पुडिया

6. तिथियों और नक्षत्रों के नाम :

उदा : द्वितीय, तृतीय, भरणी, रोहिणी

3. **वचन की परिभाषा देकर उसके भेदों पर सविस्तार लिखिए:**

संज्ञा और अन्य विकारी शब्दों के जिस रूप से यह मालूम होता है कि वह एक केलिए प्रयुक्त हुआ है या एक से अधिक केलिए, उसे वचन कहते हैं।

हिन्दी में दो वचन हैं – एकवचन और बहुवचन

जो शब्द किसी एक ही वस्तु, व्यक्ति या स्थान का बोध कराते हैं उन्हें एकवचन कहते हैं।

उदा : पुस्तक, राम, नदी, कपडा

जो शब्द एक से अधिक वस्तु, व्यक्ति या स्थानों का बोध कराते हैं उन्हें बहुवचन कहते हैं।

उदा : पुस्तकें कुर्सियाँ, घोड़े, लड़के

4. हिन्दी में वचन परिवर्तन संबन्धी नियमों को उदाहरण सहित समझाइए।

(i) विभक्ति प्रत्यय के साथ रहने पर शब्दों को बहुवचन बनाने के लिए ओंकारान्त बनाया जाता है।

जैसे : पेडों को, घोड़ों को, लड़कों से, माताओं ने आदि।

अकारांत पुल्लिंग शब्द एकवचन और बहुवचन दोनों में समान रुपवाले होते हैं। उसे क्रिया या विशेषण के द्वारा जान सकते हैं

जैसे :	**एकवचन**	**बहुवचन**
	पेड़ गिरता है	पेड़ गिरते हैं (क्रिया से)
	ऊँचा पेड़	ऊँचे पेड़ (विशषण से)

(ii) कुछ शब्दों के साथ वर्ग, गण, लोग आदि शब्द लगाकर बहुवचन बनाया जाता है।

उदा : बन्धुवर्ग, पाठकगण, विद्यार्थीलोग आदि।

(iii) आकारान्त पुल्लिंग संज्ञाओं के अंतिम 'आ' को 'ए' करके

उदा : लड़का – लड़के, घोडा – घोडे।

अपवाद : नाना, दादा, मामा, पिता, राजा, देवता, योद्धा, दाता, बाबा आदि कुछ आकारान्त शब्द बहुवचन में रुप नहीं बदलते।

(iv) आकारान्त को छोड़कर अन्य पुल्लिंग शब्द बहुवचन में रुप नहीं बदलते।

उदा : घर – घर, पेड़ – पेड़, फूल – फूल, कवि – कवि, भाई –भाई, मुनि – मुनि, साधु – साधु आदि।

(v) अकारान्त, आकारान्त, उकारान्त और ऊकारान्त स्त्रीलिंग संज्ञाओं के आगे 'एँ' या 'यें' लगाकर बहुवचन बनाया जाता है।

उदा : अकारान्त : आँख–आँखें, बात–बातें, बहन–बहनें, रात–रातें, किताब–किताबें आदि।

आकारान्त : लता –लतायें, माला – मालायें, पाठशाला – पाठशालायें, माता – मातायें, लड़का -- लड़के

उकारान्त : वस्तु – वस्तुएँ, ऋतु–ऋतुएँ, धातु–धातुएँ

ऊकारान्त : बहू–बहुएँ, लू–लुएँ, जू – जुंएँ

(vi) इकारान्त और ईकारान्त स्त्रीलिंग संज्ञाओं के आगे 'याँ' लगाकर बहुवचन बनाया जाता है।

इकारान्त : मति--मतियाँ, प्रति–प्रतियाँ, जाति–जातियाँ, तिथि–तिथियाँ

ईकारान्त : जूती–जूतियाँ, नदी–नदियाँ,
लड़की–लड़कियाँ, स्त्री–स्त्रियाँ आदि

(नोट:) ईकारान्त और ऊकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों का अंतिम दीर्घ स्वर बहुवचन में ह्रस्व हो जाता है।

(vii) बहुवचन संज्ञाओं के साथ कारक चिह्न जोड़ते समय ऊपर के नियम लागू नहीं होते। एकवचन रूपों के आगे 'ओं' जोड़कर कारक चिह्न लगाये जाते है।

उदा : घरों में, लड़कों को, लड़कियों का।

(viii) हिन्दी में प्रचलित फारसी, अरबी, शब्दों के बहुवचनरूप

उदा :

कागज	–	कागजात
मकान	–	मकानात
अमीर	–	उमरा
खबर	–	अखबार
अजीब	–	अजायब
ख्याल	–	ख्यालात
जौहर	–	जवाहिर
मालिक	–	मालिकान
मुकद्दमा	–	मुकद्दमात
साहब	–	साहबान
हाल	–	अहवाल
हुक्म	–	अहकाम

5. हिन्दी में लिंग परिवर्तन संबन्धी नियमों को उदाहरण सहित समझाइए।

पुल्लिंग को स्त्री लिंग बनाना

(i) अंतिम 'अ' और 'आ' को 'ई' करके

(ii) अंत में 'इन' या 'आइन' जोड़कर

(iii) अंत में 'नी' या 'अनी' लगाकर

पुल्लिंग शब्द को स्त्री लिंग बना सकते हैं।

(i) दास –दासी, देव – देवी, पुत्र – पुत्री

(ii) सुनार – सुनारिन, नाइ – नाइन

(iii) स्वामी – स्वामिनी, मोर – मोरनी

नौकर – नौकरानी, क्षत्रिय – क्षत्राणी

(iv) एक लिंग शब्द के पहले 'नर' और मादा शब्द लगाकर

उदा : नर भेडिया – मादा भेडिया

नर कौआ – मादा कौआ

(v) कुछ स्त्री लिंग शब्दों के पुल्लिंग नहीं होते

उदा : सौत, सती, वेश्या, गर्भवती, धाय, सुहागिन आदि।

7. कारक

I. एक या दो वाक्यों में उत्तर दीजिए :

1. कारक किसे कहते हैं?

उदा : विभक्ति सहित शब्दों को कारक कहते हैं।

II. सविस्तार उत्तर दीजिए :

1. कारक की परिभाषा क्या है, उसके कितने प्रकार हैं सोदाहरण समझाइए।

उदा : संज्ञा या सर्वनाम का जिस रुप से उसका संबधं वाक्य में क्रिया या किसी अन्य शब्द के साथ प्रकट होता है उसे कारक कहते हैं।

विभक्ति सहित शब्दों को कारक कहते हैं। कारक के चिह्नों को विभक्ति कहते हैं। हिन्दी में आठ कारक हैं।

कारक	विभक्तियाँ
1. कर्ता	ने
2. कर्म	को
3. करण	से
4. संप्रदान	को
5. अपादान	से

6.	सम्बन्ध	का, के, की
7.	अधिकरण	में, पर
8.	संबोधन	हे, अरे

1. कर्ता कारक : संज्ञा या सर्वनाम के जिस रुप से क्रिया के करनेवाले का बोध होता है, उसे कर्ता कारक कहते हैं।

कर्ता कारक की विभक्ति 'ने' है।

उदा : राम पढ़ता है। राम ने पाठ लिखा।

भूतकाल के कुछ भेदों में कर्ता के साथ 'ने' विभक्ति लगाती है।

2. कर्मकारक : जिस व्यक्ति या वस्तु पर क्रिया के व्यापार का फल पड़ता है उसे सूचित करनेवाले संज्ञा या सर्वनाम के रुप को कर्म कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'को' है।

उदा : मोहन को बुलाओ।

3. करण कारक: क्रिया के साधन का बोध करानेवाले संज्ञा के रुप को करण कारक कहते हैं। करणकारक की विभक्ति चिह्न 'से' है।

उदा : वह कलम 'से' लिखता है।

4. संप्रदान कारक : संज्ञा या सर्वनाम के जिस रुप के लिए क्रिया की जाए उसे संप्रदान कारक कहा जाता है। संप्रदान कारक की विभक्ति 'को ' और 'के लिए' है।

उदा : यह कलम राम को दो।

वह आप के लिए चाय लाती है।

5. अपादान कारक : संज्ञा के जिस रुप से उसके अलग होने के भाव का बोध होता है उसे अपादान कारक कहते हैं।

अपादान कारक की विभक्ति 'से' है।

उदा : पेड़ से पत्ता गिरता है।

6. संबंधकारक : संज्ञा के जिस रुप से किसी वस्तु का दूसरी वस्तु से संबंध प्रकट हो वह संबंधकारक कहलाता है।

संबंधकारक की विभक्ति 'का', 'के', 'की' है।

उदा : यह सीता का पुत्र है।

लव और कुश राम के पुत्र हैं।

विजया सुजा की बेटी है।

7. अधिकरण कारक : संज्ञा के जिस रुप से क्रिया के आधार का बोध होता हैं वह अधिकरण कारक कहा जाता है।

अधिकरण कारक की विभक्ति 'में', 'पर' है।

उदा : हाथ में कलम है। घड़ी मेज पर है।

8. संबोधन कारक: संज्ञा के जिस रुप से किसी को पुकारना या उसका ध्यान आकर्षित करना पाया जाय उसे संबोधन कारक कहते हैं। संबोधन कारक की विभक्ति 'हे', 'रे', 'ओ' आदि।

उदा : हे राम। ; अरे छोकरें।

2. कर्म कारक और संप्रदान कारक में क्या अंतर है? समझाइए:-

(i) **कर्मकारक :** जिस व्यक्ति या वस्तु पर क्रिया के व्यापार का फल पडता है उसे सूचित करनेवाले संज्ञा या सर्वनाम के रुप को कर्म कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिन्ह 'को' है। कभी-कभी इस चिन्ह की जरूरत नहीं होती।

उदा : राम ने साँप को मारा

(ii) **संप्रदान कारक :** जिसे कुछ दिया जाय या जिसके लिए कुछ किया जाय उसे सूचित करनेवाले संज्ञा के रुप को संप्रदान कहते हैं। इसको विभक्ति 'को' है।

उदा : राम ने मुझे (को) एक पुस्तक दी।

(iii) अगर किसी क्रिया के दो कर्म हो (द्विकर्मक क्रिया) तो मुख्य कर्म के साथ कर्मकारक चिन्ह 'को' और गौण कर्म के साथ संप्रदान कारक चिन्ह 'को' का प्रयोग होता है।

उदा : नौकर ने गाय को मारा – कर्म कारक

नौकर ने गाय को पानी पिलाया – संप्रदान

(iv) जब वाक्य में कर्म और संप्रदान दोनों कारक आते हैं, तो मुख्य कर्म के साथ कर्म कारक का चिन्ह 'को' नहीं लगाया जाता।

उदा : मैंने राम को (संप्रदान कारक) एक पत्र (कर्मक) लिखा।

8. सर्वनाम

I. एक या दो वाक्यों में उत्तर दीजिए :-

1. सर्वनाम की परिभाषा दीजिए :-

वाक्यों में संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होनेवाले विकारी शब्दों को सर्वनाम कहते हैं। यह वचन, विभक्ति आदि के कारण बदलता है।

2. सर्वनाम के कितने भेद और वे क्या-क्या हैं?

उदा: सर्वनाम के छः भेद हैं। वे हैं :-

(i) पुरुषवाचक सर्वनाम :

उदा : मैं, हम, तू, तुम, आप, वह, वे, यह, ये

(ii) निजवाचक सर्वनाम :

उदा : आप

(iii) निश्चयवाचक सर्वनाम :

उदा : यह, ये, वह, वे

(iv) अनिश्चयवाचक सर्वनाम :

उदा :: कोई, कुछ

(v) संबंधवाचक सर्वनाम :

उदा : जो सो

(vi) प्रश्नवाचक सर्वनाम : Interrogative Pronoun

उदा : कौन, क्या

3. 'कोई' और 'कुछ' निश्चयवाचक सर्वनाम है या अनिश्चयवाचक सर्वनाम हैं?

कोई और कुछ अनिश्चयवाचक सर्वनाम है। पर दोनों के प्रयोग में भेद है।

''कोई'' प्राणियों या जीवों के लिए उपयोग किया जाता है।

उदा : अंदर कोई है?

''कुछ''पदार्थ या धर्म के लिए प्रयोग किया जाता है।

उदा : पानी में कुछ है।

II. सविस्तार उत्तर दीजिए :-

1. सर्वनाम किसे कहते है? उसका उपयोग बताकर उसके भेदों पर प्रकाश डालिए।

उदा : वाक्यों में संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होनेवाले विकारी शब्दों को सर्वनाम कहते हैं। यह वचन, विभक्ति आदि के कारण बदलता है।

सर्वनाम के छः भेद हैं।

(i) पुरुषवाचक सर्वनाम :

उदा : मैं, हम, तू, तुम, आप, वह, वे, यह, ये

(ii) निजवाचक सर्वनाम :

उदा : आप

(iii) निश्चयवाचक सर्वनाम :

उदा : यह, ये, वह, वे।

(iv) अनिश्चयवाचक सर्वनाम : उदा : कोई, कुछ।

(v) संबंधवाचक सर्वनाम

(vi) प्रश्नवाचक सर्वनाम

2. पुरुषवाचक सर्वनाम की परिभाषा देते हुए उसके भेदों को सोदाहरण लिखिए।

उदा : पुरुषवाचक सर्वनाम : जिससे बोलनेवाला, सुननेवाला और जिसके बारे में बातचीत हो रही है, उनके स्थान में प्रयुक्त होनेवाले शब्दों को पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। इसके तीन भेद हैं।

वे है :
1. उत्तम पुरुष – मैं, हम
2. मध्यमपुरुष – तू, तुम, आप
3. अन्यपुरुष – वह, वे, यह, ये

1. **उत्तम पुरुष :** वाक्य में बात करनेवाला या लिखनेवाला जिस सर्वनाम का प्रयोग करे, वो उत्तमपुरुष है।

उदा : मैं, हम

2. **मध्यम पुरुष :** वाक्य में जिससे बात की जाती है उसे जिस सर्वनाम से बुलाते हैं, वह मध्यम पुरुष है।

उदा : तू, तुम, आप

3. **अन्य पुरुष :** बोलने या लिखनेवाला किसी अन्य व्यक्ति या वस्तु केलिए जिस सर्वनाम का प्रयोग करें उसे अन्य पुरुष कहते हैं।

उदा : वे, यह, ये, वह कौन आदि

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम किसे कहते हैं और 'कोई' और 'कुछ' के प्रयोग में क्या अंतर है ? समझाइए।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम :

जिस सर्वनाम से अनिश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध हो उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदा : कोई , कुछ

कोई और कुछ अनिश्चयवाचक सर्वनाम है। पर दोनों के प्रयोग में भेद हैं।

''कोई'' प्राणियों या जीवों के लिए उपयोग किया जाता है।

उदा : अंदर कोई है?

''कुछ'' पदार्थ या धर्म के लिए प्रयोग किया जाता है।

उदा : पानी में कुछ हैं।

9. विशेषण

I. एक या दो वाक्यों में उत्तर दीजिए :

1. विशेषण किसे कहते हैं ?

संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतानेवाला शब्द विशेषण है।

उदा : राम अच्छा लड़का है। दूध मीठा है।

2. निर्देशक सर्वनाम का दूसरा नाम क्या है?

निर्देशक सर्वनाम का दूसरा नाम सार्वनामिक विशेषण है।

II. सविस्तार उत्तर दीजिए :

1. विशेषण की परिभाषा देते हुए उसके भेदों को सोदाहरण समझाइए ?

संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतानेवाला शब्द विशेषण है।

उदा : राम अच्छा लड़का है। दूध मीठा है।

विशेषण चार प्रकार के हैं।

1. गुणवाचक विशेषण
2. संख्यावाचक
3. परिमाणवाचक
4. निर्देशक विशेषण

1. गुणवाचक विशेषण :

संज्ञा या सर्वनाम के गुण बतानेवाला विशेषण है। ये कई प्रकार के होते हैं।

गुण	–	अच्छा, भला, सुंदर, चतुर...
दोष	–	बुरा, कुरूप...
रंग	–	काला, पीला, नीला, लाल...
काल	–	नया, पुराना, ताज़ा...
स्थान	–	भारतीय, कश्मीरी, पहाड़ी...
दिशा	–	पूर्वी, उत्तरी, दक्षिणी...
आकार	–	छोटा, बड़ा, नाटा, ऊँचा...

2. संख्यावाचक विशेषण :

संज्ञा या सर्वनाम की संख्या बतानेवाला विशेषण संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। इसके दो भेद होते हैं।

(i) निश्चित संख्यावाचक विशेषण के छ : भेद हैं।

a. पूर्णांक बोधक : एक, दो, सौ, हज़ार...

b. अपूर्णांक बोधक : आधा, पाँव, सवा...

c. क्रमवाचक : पहला, दूसरा, आठवाँ...

d. आवृत्ति वाचक : दुगुना, तिगुना, चौगुना

e. समूहवाचक : दोनों, तीनों ...

f. प्रत्येक वाचक : हरएक, प्रत्येक

(ii) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

उदा : कम, कुछ, कोई, ज़यादा...

3. परिमाणवाचक विशेषण :

किसी वस्तु का नाप–तोल या परिमाण का पता चलानेवाला विशेषण, परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं। इसके दो भेद हैं।

(i) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण :

उदा : दो लिटर तेल, चार किलो चावल

(ii) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण :

उदा : कोई, कुछ, थोड़ा पानी

4. निर्देशक या सार्वनामिक विशेषण :

संज्ञा की और निर्देश या संकेत प्रकट करनेवाला विशेषण निर्देशक विशेषण हैं।

ये सर्वनाम से ही बने होते हैं। इसलिए उन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।

उदा : यह तुम्हारी किताब है।

वह आदमी, यह लड़का....

10. क्रिया

I. एक या दो वाक्यों में उत्तर दीजिए।

1. कर्म की दृष्टि से क्रिया के भेद क्या-क्या हैं?

कर्म की दृष्टि से क्रिया के दो भेद हैं।

1. अकर्मक क्रिया 2. सकर्मक क्रिया

2. नामधातु किसे कहते हैं?

क्रिया को छोड़कर अन्य शब्दों मे प्रत्यय जोड़ने से जो धातुएँ बनती हैं, उन्हें 'नाम धातु' कहते हैं।

जैसे : हथियाना (हाथ)

अपनाना (अपना)

चिकनाना (चिकना)

3. 'यह तस्वीर पिताजी ने खींची' - यह वाक्य कर्तृवाच्य है या कर्मवाच्य?

यह वाक्य कर्तृवाच्य है।

II. सविस्तार उत्तर दीजिए :-

1. क्रिया की परिभाषा देकर कर्म की दृष्टि से क्रिया के भेदों को सोदाहरण समझाइए।

क्रिया वह शब्द है जिससे किसी कार्य का होना या करना मालूम होता है।

उदा : राम पढता है।

क्रिया के भिन्न रुप जिस मूल शब्द से बनते हैं उसे 'धातु' कहते हैं।

उदा : पढ़, जा, उठ, आ

धातु के अंत में 'ना' जोड़ने से क्रिया का साधरण रुप बनता है।

उदा : पढना, लिखना, आना।

कर्म की दृष्टि से क्रिया के दो भेद हैं –अकर्मक और सकर्मक।

(i) **अकर्मक क्रिया :** 'अकर्मक' उस क्रिया को कहते हैं जिसके साथ कर्म कभी नहीं आता और क्रिया का फल कर्ता पर पड़ता है।

उदा : लड़का आता है। स्वाति जाएगी। पिताजी उठ रहे हैं।

(ii) **सकर्मक क्रिया :** सकर्मक उस क्रिया को कहते हैं जिसका कर्म हो सकता है।

उदा : काम करता है। भात खाया। सिनेमा देखूँगा।

1. परीक्षा

शब्दार्थ – பொருள் – Meaning

रियासत – राज्य, சமஸ்தானம், province

दीवान – मंत्री, மந்திரி, minister

विनय – प्रार्थना, வேண்டுகோள், request

अवस्था – उम्र, வயது, age

दाग – कलंक, களங்கம், blemish

नेकनामी – यश, புகழ், fame

मिट्टी में मिल जाना – नष्ट हो जाना, அழிய, to be ruined

शर्त – प्रतिबंध, நிபந்தனை, condition

विज्ञापन – इश्तहारे करना, விளம்பரம், advertisment

तलाश करना – கண்டுபிடிக்க, to spot

स्वीकार करना – मानना, ஒப்புக்கொள்ள, to accept

सुयोग्य – काबिल, उपयुक्त, பொருத்தமான, தகுதியான, fit, capable

सज्जन – भला आदमी, நல்லமனிதர், gentleman

वर्तमान – विद्यमान, தற்போது இருக்கின்ற, existing

उपस्थित होना – प्रस्तुत होना, வருகைதர, ஆஜராக, to be present

हृष्ट-पुष्ट – हट्टा-कट्टा, கட்டுமஸ்தான, strong

रहन-सहन – चाल-चलन, பழக்கவழக்கம், customs and manners

जीवन निर्वाह का ढंग – வாழ்க்கைமுறை, way of life

आचार – विचार, நடததை, character,

चरित्र,चाल – चलन, ஒழுக்கம், conduct

देखभाल – देखरेख, மேற்பார்வை, supervision

मुल्क – देश, நாடு, country

हलचल – उथल-पुथल, கிளர்ச்சி, revolution

नसीब – भाग्य,किस्मत, அதிர்ஷ்டம், விதி,fate, fortune

सैकडों – कई सौ, நூற்றுக்கணக்கான, hundreds of

मिटाना – बरबाद करना, அழிக்க, to ruin

अवसर – समय, फुरसत, சந்தர்பம், situation

– मौका, வாய்ப்பு, opportunity

सनद – उपाधि, பட்டம், title

कनटोप – कानों तक, ढक लेनेवाली टोपी, பனிக்குல்லாய், a night cap which covers the ears

तमगा – पदक, பதக்கம், medal

चोगा – ढीला पहनावा, நீண்ட சட்டை, long gown

अंगरखा – पुराने समय की कमीज़, பழைய காலத்திய சட்டை, old fashioned coat

सजधज – सजावट, அலங்கரிப்பு, ornamentation

लत – बुरी टेक, கெட்டப்பழக்கம், a bad habit

नाक में दम – बहुत कष्ट, மிகுந்த இடர், great trouble

पदच्युत – अपने पद से हटाया हुआ,
பதவிநீக்கம் செய்யப்பட்ட,
removed from one's post

नम्रता – विनम्रता, பணிவு, humbleness

सदाचार – अच्छा व्यवहार, நன்னடத்தை,
good behaviour

तलावत – कुरान शरीफ पढ़ना, திருக்குர்-ஆன் ஓதுதல்,
chanting the holy Quran

झंझट – झमेला, சச்சரவு, trouble

जौहरी – गुण दोष पहचाननेवाला पारखी,
குணம் குற்றம் பிரித்து அறிபவர்,
the expert who tests the merits or demerits

आड – ओट, மறைவு, a hiding

बगुला – बक, கொக்கு, crane

हंस – एक जल पक्षी, அன்னப்பறவை, swan

हाथों की सफाई – हाथ की कारीगरी, கைத்திறன்,skill

तय होना – निश्चय होना நிச்சயிக்கப்பட்ட, decided

अप्रैटिस – नौसिखिया,
புதிதாக வேலைத்தொழிலிலமர்ந்து கற்பவன்,
an apprentice

ठोकर खाना – पैर से धक्का खाना,
உதைபட., to be kicked

जारी – प्रवाहित, प्रचलित,
தொடர்ந்து கொண்டு, continuing

धावा – आक्रमण, தாக்குதல், attack,

चढाई, तेज दौड – படையெடுப்பு வேகமான ஓட்டம்,
invasion, fast running

तर हो जाना – भीगना, நனைய, to become wet

हाँफना – साँस की गति का तीव्र होना,
மேல்மூச்சு வாங்க, to breathe hard

बेदम होना – प्राणरहित होना,
மூச்சற்றுப் போக, to be breathless

नाला – नहर, கால்வாய், canal

पुल – सेतु, பாலம்,bridge

कीचड – पंक, சேறு, marsh

चढ़ाई – ऊपर का चढाव, ஏற்றம், Ascent

पहिया – चक्र, சக்கரம், wheel

ढकेलना – धक्के से आगे बढाना,
முன்னே இடித்துத் தள்ள, to push

खिसकना – सरकना, நழுவ, to slip a way

झुंझलाना – चिडचिड़ाना, சிடுசிடுக்க, to be fretful

उभरना – ऊपर आना, மேலெழ, to rise

ताकना – देखना, பார்க்க, to see

विपत्ति में फँसना – संकट में पड़ना,
கஷ்டத்தில் மாட்டிக் கொள்ள,
to be entangled in difficulty

डंडा – लाठी, தடி, stick

झूमना झामना – इधर उधर डोलना, ஊஞ்சலாட, to swing

सहमना – भयभीत होना, நடுநடுங்க, to tremble

सहानुभूति – हमदर्दी, அனுதாபம், sympathy

मद – गर्व, नशा, கர்வம், போதை,
pride intoxication

मत्सर – ईर्ष्या, பொறாமை, jealousy

वात्सल्य – प्रेम, அன்பு, affection

लंगडाना – कुछ दबते और कुछ उचकते हुए चलना,
நொண்டி நொண்டி நடத்தல், to limp

निगाह – नज़र, பார்வை, sight

ठिठक जाना – चलते-चलते रुक जाना,
திடுக்கிட்டு நிற்க, to stand amazed

गठा हुआ – जुडा हुआ, கட்டமைந்த, well built

बदन – शरीर, உடல், body

साधना – वश में लाना, வயப்படுத்த,
to bring under control

घुटना – टांग और जांघ के बीच की गांठ,
முழங்கால், the knee

गड़ना – धँसना, புதைய, to be buried

कंधा – स्कंध, தோள், shoulder

हाथ जोडना – नमस्कार करना, வணங்க, to salute

उबार लेना – बचाना, காப்பாற்ற, to save

गौर से – ध्यान से, கூர்ந்து, carefully

भाँपना – ताड़ना, ஊகிக்க, to guess

पैठना – गोता लगाना, அமிழ, to dive deep

निदान – अंत में, கடைசியில், at last

चुनाव – चुनने का काम, தேர்ந்தெடுத்தல், selection

दिन काटना पहाड़ हो जाना – ऐसा लगना कि एक दिन बीतना एक युग-सा हो,
ஒரு நாள் செல்வது பலயுகம் ஆவதுபோல்,
days to move at snails' speed

रईस – अमीर, பணக்காரன், a rich man

कलेजा – हृदय, இதயம், heart

फरमाना – आज्ञा देना, கட்டளையிட, to order

जख्मी – घायल, காயம்பட்ட, wounded

दलदल – कीचड़, சேறு, marsh

सताना – तंग करना, துன்புறுத்த, to tease

I. सारांश :

इस कहानी के लेखक उपन्यास सम्राट प्रेमचंद जी हैं। आप हिन्दी के सब से बडे कहानी लेखक हैं। आपकी रचनायें लोक प्रिय हो चुकी हैं।

देवगढ़ के रियासत के दीवान थे सरदार 'सुजानसिंह'। वे चालीस साल तक दीवान के पद पर थे। अब वे बूढ़ों हो गये। एक दिन उसने राजा से विनती की कि मैं बूढ़ा और कमजोर हो गया हूँ। इसलिए मैं सेवा से निवृत्त होकर जीवन के अंतिम समय पूजा-पाठ में बिताना चाहता हूँ। राजा ने एक शर्त पर उन्हें निवृत्त करने के लिए स्वीकार कर लिया। शर्त यह थी कि रियासत के लिए एक नया दीवान सुजान सिंह को ही खोजना पडेगा।

दूसरे दिन देश के प्रसिद्ध पत्रों में यह विज्ञापन निकला। उसमें कई शर्तें थीं। उस में यह स्पष्ट दिया गया कि उच्च शिक्षा की अपेक्षा स्वस्थ, कर्तव्यपरायण, रहन-सहन, आचार-व्यवहार आदि पर उम्मीदवारों की परीक्षा की जाएगी। विज्ञापन को देख कर देश के कोने-कोने से कई लोग देवगढ़ आ गये। दीवान सुजान सिंह ने उन सभी उम्मीदवारों का आदर - सत्कार और एक महीने तक वहाँ रहने का प्रबन्ध किया।

एक दिन उम्मीदवारों में से कुछ खिलाडियों ने आपस में हाकी खेल खेलने का निश्चय किया। खेल शुरु हुई। खूब और उत्साह से शाम तक खेल जारी रहा। पर हार-जीत का निर्णय न हुआ। खेलकर लौटते समय उन्होंने एक किसान को नाले के पास देखा। किसान की गाडी नाले में फंस गयी। किसान अकेले गाडी को ऊपर उठा नहीं सकते। सभी खिलाडी उस तरफ से जा रहे थे। पर किसी ने उसकी मदद नहीं की।

आखिर एक खिलाडी लंगडाता हुआ आ रहा था। उसके पैर में चोट लगी थी। उसने किसान का हाल समझकर उसकी मदद की। अत्यंत परिश्रम से गाडी को कीचड से ऊपर चढ़ा दिया। किसान ने उसको बहुत धन्यवाद दिया और आशीर्वाद दिया कि तुझे दीवान पद प्राप्त हो जाए।

एक महीने का समय पूर्ण होने पर राजा का दरबार लगा। उम्मीदवार सुजान सिंह का फैसला सुनने के लिए उपस्थित थे। दीवान सुजान सिंह ने उसी घायल खिलाडी को देवगढ़ का नया दीवान मनोनीत किया। उसका पूरा नाम पंडित जानकीनाथ था। सरदार सुजान सिंह ने उसके आत्म विश्वास उदारता आदि गुणों की प्रशंसा की। सुजान सिंह का विश्वास था कि पंडित जानकीनाथ दया और धर्म के मार्ग से विचलित नहीं होगा।

2. हार की जीत

शब्दार्थ – பொருள் – Meaning

हार की जीत – தோல்வியின் வெற்றி, success of defeat

लहलहाना – सरसब्ज होना, பசுமையாய் இருக்க, to be fertile

दाना – अनाज, தானியம், food grains

असबाब – सामान, சாமான்கள், house hold articles

भ्रांति – भ्रम, பிரமை, illusion

लट्टू होना – मोहित होना, மோகித்துப் போக, மகிழ, to be happy, to fall in love

चक्कर लगाना – घूम आना, சுற்றிவருதல், to go around

काँपना – डरना, थर्राना, हिलना, பயப்பட,நடுங்க, ஆட, to tremble, to shiver, to shake

अधीर होना – धैर्य रहित होना, மன உறுதி இல்லாத, impatient, un steady

छवि – शोभा, அழகு, beauty

अस्तबल – घुडसाल, குதிரைலாயம், stable

बांका – तिरछा, छैला, सुन्दर, கோணலான, ஒய்யாரமான, crooked, majestic, gently, moving

चैन – शांति, அமைதி, peace of mind

हलचल होना – उपद्रव, கலகம், agitation,

शोरगुल – கூச்சல், குழப்பம், கொந்தளிப்பு hue and cry. confusion

रखवाली – हिफाजत, பாதுகாப்பு, protection

मिथ्या – असत्य–झूठा, பொய்யான, faise

फूले न समाना – अध्याधिक खुश होना, ஆனந்தம் அடைய, to be overjoyed

अपाहिज – किसी अंग से हीन, அங்கஹீனமான, உடல் ஊனமுற்றவன், physically, handicapped

कराहना – हाय–हाय करना, முனக, to moan

सौतेला – सौत से उत्पन्न, மாற்றாந்தாய்க்குப்பிறந்த, born to a step mother

ठिकाना – सीमा, எல்லை, limit

चीख – रक्षा या सहायता के लिए चिल्लाहट पुकार, கத்த, கூப்பிட to call during distress

सिर मारना – गहरा सोचना, ஆழ்ந்து யோசிக்க, to think deeply

गूंजना – गूंजार करना, எதிரொலிக்க, to echo

रेखा – लकीर, கோடு, line

ख्याल – विचार, எண்ணம், opinion

सन्नाटा – खामोशी, அமைதி, silence

RAS6फाटक – बड़ा दरवाजा, வாயில், entrance

पहरा देना – रखवाली करना, பாதுகாக்க, to protect

पहर – तीन घंटे का समय, ஜாமம், time of three hours

भूल – अपराध, தவறு, mistake

हिनहिनाना – हींसना, கனைக்க, to neigh

बिछुडे – वियोग, பிரிந்த, separated

थपकियाँ देना – धीरेधीरे शरीर पर हाथ से ठोंकना, தட்டிக் கொடுக்க, to pat

मुँह मोडना – अस्वीकार करना, மறுக்க, to refuse

I. सारांश :

श्री सुदर्शनजी हिन्दी के नामी लेखक थे। ये प्रेमचंदजी के समकालीन लेखक थे। हिन्दी में उनकी पहली कहानी है ''हार की जीत''।

बाबा भारती एक साधू थे। ये सांसारिक जीवन से विरक्त होकर गाँव के बाहर एक मंदिर में रहते थे। भगवत भजन में अपना समय बिताते थे।

उसके पास एक सुन्दर घोडा था। नाम था सुलतान। सांसारिक मोह से विरक्त होने पर भी उनको अपने घोडे पर पुत्र जैसा प्रेम था। वे अपने घोडे देखकर फूले न समाते थे। उनका भ्रम था कि घोडे के बिना हम नहीं रह सकते।

खड़गसिंह एक नामी डाकू था। एक दिन वह बाबा भारती के यहाँ आया। बाबा के घोडे का रूप और चाल देखी तो उसके मन में तीव्र इच्छा उठी कि किसी न किसी तरह घोडे को अपने वश में कर

लेना चाहिए। उसने तुरन्त बाबा से कहा कि बाबाजी! मैं यह घोडा आपके पास रहने न दूँगा।

एक दिन बाबा घोडे पर बैठकर हमेशा की तरह सैर कर रहे थे। तब रास्ते में एक अपाहिज ने बाबा से बिनती की कि इस कंगाल पर दया करके घोडे पर चढ़ाकर रामवाला तक पहुँचा दें।

बाबा उसपर दया करके घोडे पर उसे बिठाकर स्वयं लगाम पकडकर जा रहे थे। वह अपाहिज था खडगसिंह। उसने अचानक लगाम छीनकर घोडे को दौडाकर चिल्लाते हुए जा रहा था कि घोडा अब मेरा है।

बाबा ने एक क्षण अवाक् रहकर तुरंत अपने को संभाल लिया। बाबा चिल्लाकर बोले कि मेरी एक बिनती सुनकर जाओ। इस घटना को किसी से न कहना कि तुमने अपाहिज के वेश में घोडे को छीन लिया। क्यों कि इसका पता लगने पर गरीबों पर लोगों का विश्वास टूट जाएगा। गरीब की मदद करनेवाला कोई न रहेगा। बाबा भारती वापस चले गये।

खडगसिंह की आँखें खुल गयीं। वह सोचने लगा कि बाबा मनुष्य नहीं देवता है। उसने तुरन्त घोडे को बाबा के घर में ले जाकर बाँध दिया। आदत के अनुसार बाबा भारती रात को बाहर आये तो घोडे अपने मालिक की आहट पाकर हिनहिनाने लगा। घोडे को अस्तबल में वापस पाकर बाबा उसके गले से लिपटकर आँसू बहाने लगे। वे बोले कि अब कोई गरीबों की सहायता करने से मुँह न मोडेगा।

बाबा के ऊँचे विचार और पवित्र भाव के सामने खडगसिंह हार गया। बाबा भारती की हार जीत में बदल गयी।

3. चीफ़ की दावत

शब्दार्थ – பொருள் – **Meaning**

दावत – भोज, விருந்து, feast

फेहरिस्त – सूची, பட்டியல், list

फ़ुर्सत – अवकाश, ஓய்வான நேரம், leisure

थामना – पकडना, பிடிக்க, to hold

मुकम्मल – पूर्ण, முழுமையாக, completed, perfect

फालतू – व्यर्थ, வீண், useless

पलंग – चारपाई, கட்டில், cot

अडचन – बाधा, இடையூறு, difficulty

बेशक – निस्संदेह, சந்தேகமின்றி, undoubtedly

सिकुडी – संकोच होना, சுருங்க, to shrink

निबटना – पूरा होना, निर्णित होना, தீர்தல், முடிதல், to be fulfilled, to get relief from

सुझाव – प्रस्ताव, ஆலோசனை, suggestion

सहसा – अचानक, திடீரென, suddenly

बरामदा – दालान, தாழ்வாரம், verandah

टाँग अडाना – बाधा डालना, தடங்கல்செய்ய, to obstruct

हल – समाधान, சிக்கலுக்குத்தீர்வு, solution to a problem

कदम – पाँव, पग, காலடி, foot step

चौकी – छोटा तख्त, சிறுபலகை, stool

धड़क – हिचकना, தயங்குதல், hesitation

सुभीता – सहूलियत, வசதி, convenience, facility

गुसलखाना – स्नानागर, குளியலறை, bathroom

अवाक् – स्तब्ध,चकित, ஸ்தம்பித்து, வியப்படைந்து, wonder, struck

उधेडबुन – उलझन, இக்கட்டு, dillema

क्षोभ – खलबली, व्याकुलता, மனக்குழப்பம், கவலை, agitation, anguish

झुंझलाना – चिडचिडाना, சிடுசிடுக்க, to be fretful

खडाऊँ – पादुका, மரத்தாலான செருப்பு, wooden shoe

तरतीब – सिलसिला क्रम, வரிசை, ஒழுங்கு, order, system

संचालन – परिचालन, நடத்தல், running, conducting

झमेला – झंझट, தொந்தரவு, disturbance

कुरूप – असुंदर, அழகற்ற, ugly

हर्ज़ – नुकसान, रुकावट, நஷ்டம், தடை, loss, agitation obstruction

जेवर – आभूषण, ஆபரணம், நகை, jewel

हिदायत – मार्ग दर्शन, अनुदेश, வழிகாட்டல், அறிவுரை, guidance,instruction

कामयाब – सफल, வெற்றி, successful

ओत-प्रोत – गहरा, भरा, ஆழ்ந்த, நிரம்பிய, deep, full

चुटकुला – मजेदार बात, நகைச்சுவைத் துணுக்கு, joke

रोब – धाक, அச்சவுணர்வு, fear

प्रताप – பெருமை, dignity

ठिठकना – स्तंभित होना, चलते-चलते रुक जाना, திடுக்கிட, திடீரென நின்றுவிட, to stand amazed, to stop suddenly

लड़खडाना – डगमगाना, தடுமாற, to stagger

खिसकना – धीरे धीरे चलना, மெதுவாக செல்ல, to move slowly

अस्त-व्यस्त – उल्टा-पुलटा, ஒழுங்கில்லாத, irregular

धक्का देना – ठक्कर देना, தள்ளுதல், to push

आघात लगाना – ठोकर खाना, அடி ஏற்படுதல், bruise

धकेलना – धक्का देना, மோதுதல், to push

खिसियाना – खिंझना, கோபப்பட, to be angry

खिन्न होना – अप्रसन्न होना, மனமுடைய, வருத்தமடைய, to be unhappy, to be sad

असहाय – ஆதரவற்ற, helpless

खैरियत – कुशल, क्षेम, க்ஷேமம், பாதுகாப்பு, wellfare, safety

बड़बडाना – बकवाद करना, உளற, to prattle

सकुचाना – लज्जित करना, வெட்கப்படச் செய்ய, to put to shame

टकटकी – निर्निमेष, இமைக் கொட்டாமல், without winking

खलबली – व्याकुलता, கலக்கம், கவலை, anguish

रीझना – प्रसन्न होना, மகிழ்ச்சியடைய, to be pleased

ठप्पा – छापा, அச்சு, a dye

तालियाँ पीटना – करतल ध्वनि करना, கைதட்டல, to clap

खीजना – झुँझलाना, எரிச்சலடைய, to feel irritated

लहजा – बोलने का ढंग, பேசும்முறை, speech (accent)

फुलकारी – சித்திரத் தையல், embroidery

फटना – विभक्त होना, கிழிய, to be torn

काया – शरीर, देह, சரீரம், தேகம், body

सिमटना – सिकुड़ना, சுருங்க, to shrink

छिपना – ओट में होना, மறைய, ஒளிய, to be hidden

तनाव – खिंचाव, விறைப்பு, tension

इकरार करना – वादा करना, வாக்குறுதி, oath, promise

तरक्की – उन्नति, உயர்வு, promotion

खिदमत – सेवा, தொண்டு, service

तनिक – थोड़ा, கொஞ்சம், little

चिरायु – दीर्घायु, நீண்டஆயுள், long life

I. सारांश :

हिन्दी के प्रसिद्ध लेखकों में भीष्म साहनी भी एक हैं। आपने कहानी, उपन्यास और नाटक की रचना की हैं। इनकी कहानियों में जीवन की विविधता के दर्शन होते हैं और मध्यवर्गीय परिवारों का सजीव चित्रण भी मिलता है।

मिस्टर शामनाथ अपने कार्यालय के अमेरिकी अफसर को दावत देना चाहते हैं। पति-पत्नी दोनों मेहमानों के स्वागत की तैयारियाँ बडी खूबी से करते हैं। क्योंकि जिससे उसे पदोन्नति मिलने की संभावना भी है।

शामनाथ की एक बूढी माँ है। मेहमानों के आते समय उनके सामने अपनी बूढ़ी माँ का बैठे रहना पति पत्नी दोनों पसंद नहीं करते। इसलिए शामनाथ माँ को एक अलग कोठरी में बिठाते हैं। कहते हैं कि अगर चीफ़ इस ओर आते समय आप से बोलें तो सही जवाब देना चाहिए।

ठीक सात बजे मेहमान लोग अपने को खूब अलंकृत करके आते हैं। दावत ठीक सात बजे शुरु होती है। रात में पीते-पिलाने और बातें करने में ठीक साढे दस बज जाते हैं। आखिर मेहमान लोग खाने के लिए तैयार होते हैं। तब शामनाथ मेहमान को खाने के कमरे दिखाने आगे जाते हैं तो माँ को कोठरी के बाहर देखकर नाराज़ होते हैं।

बूढ़ी माँ को देखते ही हाथ मिलाते हुए चीफ़ कुशल समाचार पूछते हैं। जब चीफ़ को मालूम होता है कि शामनाथ की माँ गाँव की स्त्री है तो वे उनसे एक गीत गाने के लिए कहते हैं। बूढ़ी माँ भी उनका एक विवाह का गीत गाकर दिखाती है। इतना ही नहीं चीफ बूढ़ी माँ से एक फुलकारी बनाकर देने के लिए भी कहते हैं।

चीफ की प्रसन्नता देखकर शामनाथ अत्यधिक खुश होते हैं। बूढ़ी माँ भी बेटे की पदोन्नति की कामनाएँ करती हैं।

4. दो कलाकार

शब्दार्थ – பொருள் – **Meaning**

चादर – दुपट्टा, போர்வை, cover

झक झोरना – तेजी से हिलाना, நன்றாய் குலுக்க, to shake violently

बदतमीज़ – अविवेकी, அறிவில்லாத, stupid

गलतफहमी – भ्रम से कुछ का कुछ समझना, தப்பான எண்ணம், misunderstanding

कड़ा – कठोर, सख्त, கடுமையான, stiff

मानो – जैसे, போல, as if

घनचक्कर – मूर्ख, आवारा, முட்டாள், போக்கிரி, fool, loafer

प्रतीक – चिन्ह, அடையாளம், mark

बाद को चित्रा विदेश जाकर प्रसिद्ध चित्रकार बन गयी। भारत वापस आते समय उसके 'अनाथ' शीर्षकवाला चित्र यहाँ बहुत सराहनीय बन गया। फिर कई साल के बाद चित्रा और अरुणा की मुलाकात एक प्रदर्शनी में हुई।

चित्र प्रदर्शनी में अरुणा के दोनों बच्चे 'अनाथ' शीर्षकवाला चित्र देखकर बहुत उदास हो गये। क्योंकि चित्रा ने उन दोनों बच्चों को ही केन्द्र बिंदु बनाकर अपना 'अनाथ' शीर्षकवाला चित्र बनाया था।

अमानवीय चित्रा ने, उन बच्चों की रुलाई या माँ की मृत्यु की, ज़रा भी चिंता न करके उन बच्चों की दयनीय स्थिति को अपनी प्रशंसा का साधन बना लिया। दूसरों की पीडा से द्रवित होकर मानवीय, समाज सेविका अरुणा तुरन्त दौड़कर उन बच्चों को गोद लेकर माँ बन गयी। लेखिका इस कहानी द्वारा यह समझाती है कि कला का सच्चा संवेदन चित्रकार की अपेक्षा समाज सेविका में अधिक हैं।

5. पहलवान की ढोलक

शब्दार्थ – பொருள் – **Meaning**

सन्नाटा – नीरवता, ஒலியற்ற நிலை, அமைதியான, still ness

सिसकियाँ – रुक-रुककर लंबी सांस लेतेहुए भीतर रोना, விம்மி அழ, to sob

आह – ठंडी सांस, துயரப் பெருமூச்சு, a sigh, cry of pain

दबाना – दबाव के नीचे लाना, அழுத்த, to bring under pressure

चेष्टा – कोशिश, प्रयत्न, முயற்சி, attempt

क्रंदन – रोना, அழுகை, to weep

भंग करना – रोकना, தடுத்து நிறுத்துதல், to prohibit

ताड़ना – डाँटना,दंड देना, அதட்ட, தண்டிக்க, to chide, to punish

भाँपना – ஊகிக்க, to guess

राख – भस्म, சாம்பல், ash

गठरी – पोटली, गट्ठर, பொட்டலம், மூட்டை, packet, bundle

सिकुड़ना – संकुचित होना, சுருங்க, to shrink

वरना – नहीं तो, இல்லாவிட்டால், otherwise

सुडौल – अच्छे आकार का, கட்டமைந்த உடலுள்ள, well shaped body

दंगल – कुश्ती आदि की स्पर्धा, குஸ்திப்போட்டி, wrestling tournment

दाँव-पेंच – धन जो ऐसा समय वह खिलाडी सामने रखते हैं சூதில் வைக்கப்படும் பந்தயப் பொருள், wager

पहलवान – मल्लवीर, பயில்வான், wrestler

गिरोह – टोली, समूह, குழு, கூட்டம், gang, band

पछाडना – मल्ल युद्ध में पटकना, மற்போரில்வீழ்த்த, to knock down in a duel

किलकारी – हर्ष ध्वनि, மகிழ்ச்சி ஒலி, ,sound of joy

दुलकी – घोडेकी उछल, उछलकर मंद गति से दौडने की एक चाल, குதிரை குதித்து, குதித்து மிடுக்காய் நடக்கும் நடை, the strolling of a horse

दहाड़ – शेर आदि का गरजन, சிங்கம் போன்றவற்றின் கர்ஜனை roar of a lion

स्पर्धा – प्रतियोगिता, போட்டி, competition

बाज – कुछ, हीन, சில, இல்லாத, a few, short of

खलबली – हलचल, குழப்பம், tumult

चिल्लाना – शोर मचाना, प्रतिद्वंदी विपक्षी, கத்த, எதிர்தரப்பாளன், to cry out an adversary

प्रतिस्पर्धी – போட்டியாளன், competitor

अंदाजा – अनुमान, ஊகம், அனுமானம், guess

कसकना – पीडा होना, வலி உண்டாக, to suffer pain

केहुनी – कुहनी, the elbow

चित्त – मन, மனம், mind inlellect

छाती – மார்பு, breast, chest

पतली – हल्का, மெலிந்த, இலேசான, thin, light

गद्‌गद् होना – अधिक हर्ष, அதிகசந்தோஷம், over Joyed

छाती से लगाना – आलिंगन करना, ஆரத்தழுவிக் கொள்ளல், embrace

लाज – लज्जा, வெட்கம், modesty, shy

पुरस्कृत – पुरस्कार, அன்பளிப்பு, சன்மானம், rewarded, awarded

बिचकाना – भड़काना, கோபம் ஊட்ட, to provoke

संकुचित – संकोचयुक्त, வெட்கமுள்ள, shy

चुटकी – अंगूठी और तर्जनी का संयोग, சிட்டிகை, சொடக்கு, pinch, snap

अत्याचारी – अन्यायी, கொடுமை இழைப்பவன், despotic, transgressor

रगडना – घिसना, தேய்க்க, to rub

लकवा – पक्षाघात, பக்கவாதம், paralysis

चिडियाखाना – जहाँ पशु-पक्षी देखने के लिए पाले जाते हैं, மிருக காட்சிசாலை, zoo

झकझोरना – तेजी से हिलाना, நன்றாய்க் குலுக்க, to shake violently

पगडी – मुरेठा, தலைப்பாகை, turban

झूमना – झोंके खाना, ஊசலாட, to swing

चुहल – हंसी, சிரிப்பு, laugh

ठूँसना खाना – खूब कसकर भरना, घुसेडना ,खूब पेट भर அமுக்கி நிரப்ப, to stuff,

ठुड्डी – ठोढ़ी, चिबुक முகவாய் கட்டை chin

हुलिया – सकल सूरत का ब्योरा, அங்க அடையாள விபரம், details of physical features

साँड – अंडयुक्त बैल, பொதிகாளை non castrated bull

उछालना – जोर से उपर फेंकना, உயரே சுண்டி வீச to toss, to throw

गठीला – गांठ युक्त, दृढ, முடிச்சுக்களடங்கிய, உறுதியான, having knots, strong

तगडा – திடகாத்திரமான, robust,

शिथिल – थका हुआ, दीला, களைத்த, தளர்ந்த weary, loose

चपेटाना – थप्पड़ देना, आघात, அறைதல், to slap, blow

अनावृष्टि – वर्षा का अभाव, மழையின்மை, want of rain

भूनना – तलना, வறுக்க, to fry

बावजूद – होने पर भी, இருந்தும், in spite of

ढाढ़स – तसल्ली, धीरज, ஆறுதல், தைரியம், solace, encouragement

दुलहिन – वधू, மணமகள், a bride

मुर्दा – शव, பிணம், corpse

कफ़न – मुर्दे पर, लपटा जानेवाला कपड़ा பிணத்தின்மீது போடப்படும் துணி shroud

विभीषिका – भय प्रदर्शन,भयंकर कांड, பயங்காட்டல், பயங்கரக்காட்சி, show of fear, dreadful sight

स्पंदन – विस्फुरण, துடிப்பு, pulsation

स्नायु – नाड़ी, पेशी, நரம்பு,தசைகள், nerve,muscle

हटाना – खिसकाना, நகர்த்த, to remove

छटपटाना – तडफ़डाना, துடிதுடிக்கபதற, twitter to struggle

निस्पंद – निश्चल, அசைவற்ற, steady

जाँघिया – घुटने तक नीचा एक पहनावा, काछा, லங்கோடு, small knicker

संतप्त – दुखी, दुग्ध, துன்பப்படும், distressed,

दिलेर – बहादूर, தைரியமான, brave साहसी, துணிச்சலான, bold

रुग्ण – बीमार, நோயாளியான, sick

I. सारांश :

इस कहानी के लेखक हैं फणीश्वर नाथ रेणु। आप आंचलिक उपन्यासकार के रूप में प्रतिष्ठित कहानीकार भी हैं। आप साहित्य के अलावा विभिन्न राजनैतिक एवं सामाजिक आन्दोलनों में भी भाग लेते थे।

लुट्टन एक प्रसिदध पहलवान था। वह ढोलक बजाने में भी निपुण था। यह ही इस कहानी का मुख्य पात्र है । लुट्टन की छोटी-उम्र में ही उसके माँ-बाप मर गये। लुट्टन सिंह को होल इंडिया के लोग खूब जानते हैं।

शेर के बच्चे का असल नाम था चाँद-सिंह। चाँदसिंह की वीरता देखकर श्याम नगर का राजा उसे अपने दरबार में रखने की बातें कर रहे थे। जब यह बात लुट्टन को मालूम हुआ तो उसने शेर के बच्चे को चुनौती देकर उसे जीत लिया। लुट्टन की वीरता देखकर राजा ने उसे सम्मानित कर अपने दरबार में स्थान भी दिया।

तब से लुट्टन सिंह पहलवान की कीर्ति दूर-दूर तक फैली। इतने में पंद्रह साल बीत गये। पहलवान अजेय रहा। अपने दोनों पुत्रों को भी दांगल में उतार दिया।

दोनों पुत्र पिता की तरह थे। दोनों लड़कों को राजदरबार के भावी पहलवान घोषित किया गया। पहलवान अपने बच्चों को बार बार समझाते थे कि ढोल की आवाज पर ध्यान देना चाहिए। मेरा गुरु कोई नहीं, यही ढोल है। ढोल की आवाज के प्रताप से ही मैं पहलवान हुआ।

एक दिन वृद्ध राजा मर गया। विलायत से आते ही नये राजकुमार ने राज्य को अपने हाथ में ले लिया। पहलवान को राजदरबार से बाहर निकाल दिया। पहलवान अपने पुत्रों के साथ गाँव की ओर चला गया। वहाँ उसे गाँववालों की सहायता मिली। पहलवान वहाँ के बच्चों की कुश्ती सिखाने और सुबह-शाम स्वयं ढोलक बजाकर अपना जीवन बिताने लगा।

गाँव में वर्षा न होने के कारण अकाल हुआ। अकाल के कारण गाँव में बीमारियाँ तीव्र गति से फैलने लगी। पहलवान के बेटे भी मलेरिया और हैजे के कारण मर गये। फिर भी पहलवान हिम्मत से दिन रात ढोलक बजा रहा था। उनका विश्वास था कि ढोलक की आवाज में न तो बुखार हटाने या महामारी को रोकने की शक्ति है फिर भी इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए जानों का आखिरी सांस लेते समय कोई तकलीफ नहीं होती थी। मृत्यु से नहीं डरते थे।

चार पाँच दिन के बाद ढोलक की आवाज़ न सुनायी पडी। देखने पर शिष्यों को मालूम हुआ कि पहलवान दूसरी दुनिया की ओर चला गया जहाँ से वापस आ न सका। एक शिष्य ने रोते हुए कहा- गुरुजी कहा करते थे कि मैं मर जाऊँ तो चिता पर मुझे चित नहीं पेट के बल सुलाना और सुलगाने की समय ढोलक भी बजा देना।

6. नमक

शब्दार्थ – பொருள் – **Meaning**

हैरान	– चकित, பிரமித்த, perplexed
जिस्म	– शरीर, बदन, சரீரம், body
रहम दिल	– करुणा पूर्ण, இரக்கம் நிறைந்த, merciful
जगमगाना	– चमकना, ஜொலிக்க, to shine
झलकना	– दमकना, ஒளிர, to glitter
बारीक	– महीन, நேர்த்தியான, fine